

an>

Title: Secretary-General reported a message from Rajya Sabha that Rajya Sabha adopted a motion to join the Joint Committee on Offices of Profit.

SECRETARY-GENERAL: Madam Speaker, I have to report the following message received from the Secretary-General of Rajya Sabha:-

'I am directed to inform the Lok Sabha that the Rajya Sabha at its sitting held on Thursday, the 14th August, 2014 adopted the following Motion in regard to the Joint Committee on Offices of Profit:-

"That this House concurs in the recommendation of the Lok Sabha that a Joint Committee on Offices of Profit be constituted for the purposes set out in the Motion adopted by the Lok Sabha at its sitting held on the 1st August, 2014 and communicated to this House, and resolves that this House do join in the said Joint Committee and proceed to elect, in accordance with the system of proportional representation by means of the single transferable vote, five Members from among the Members of the House to serve on the said Joint Committee."

2. I am further to inform the Lok Sabha that as a result of the election process initiated pursuant to the above Motion, the following four Members of Rajya Sabha have been duly elected to the said Committee:-

- (i) Shri Dilipbhai Pandya
 - (ii) Shri Sukhendu Sekhar Roy
 - (iii) Shri K.C. Tyagi
 - (iv) Shri C.P. Narayanan

3. I am also to inform that in order to fill up the remaining one vacancy in the Committee, the election process is being initiated during the current Session of Rajya Sabha itself.'

HON. SPEAKER: Shri P. Karunakaran to present the Report of Committee on Absence of Members from the Sittings of the House.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Dr. (Smt.) Ratna De to present the report.

...*(Interruptions)*

HON. SPEAKER: Shri Kharge.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: All of you please go to your seats.

શ્રી મણિલકાર્જન ખડણે (ગલબગા) : આધ્યાત્મ મહોદયા, દ્રુત હુમારી રેણુ (વ્યવધાન)

मानवीय अध्यक्ष : खड्गे जी. आप एक मिलिटरी कॉमिट्टी

बात यह है कि आपने जो एडजर्नमेंट मोशन का नोटिस दिया है, वह excise duty on petrol and diesel effected through notification by Government of India पर है। ऐसा नहीं होता है।

â€¢!(લાવધાર)

माननीय अध्यक्ष : आप समग्रामनीय सदस्य हैं। आप सबसे बड़े आपोजिशन दल के नेता भी हैं। आपने जो एडजनर्मेंट मोशन का नोटिस दिया था और पूर्ण काल के सरपेशन का जो नोटिस में पार आया है, उसका विषय बिल्कुल अलग है।

â€“(क्षात्रियान्)

माननीय अध्यक्ष: कृपया आप मेरी बात भी समझिये। 400 सदस्य कुछ बातें हैं और आपका एक ग्रुप कुछ अलंगाकार है। आपने जो नोटिस दिया उस पर आप बोलते हैं कि हमें इस विषय पर कुछ बोलना है, तो बात लौकिक बाती है। मरव देखा जानी है। कल जो विषय हो चका है, माफ़ि मांगी जा चकी है, सब काफ़ कल लैंगे के बाद ...

â€“(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं आपको नहीं बोल सकती हूं और न ही आपका बोटिस है।

â€œ(व्याख्यान)

HON. SPEAKER: I will not allow this. I am asking Mr. Kharge, आपके जो लोटिस दिया है, उस विषय पर आपको कह करना है, तो मैं आपको बोलते की अनुमति देती हूँ।

जब आप सब अपनी-अपनी जगह पर जायेंगे तभी आपके लिए वीत पायेंगे, जैसे कि एक वर्ष लिया जाए तभी हो सकती। यांच साई उक्त वात लियी हो सकती।

â€“(क्षावधान)

HON. SPEAKER: You please go to your seats. Then I will ask Mr. Kcharge something.

...(Interruptions)

HON. SPEAKER: All of them have given notices. श्री गौरव गोगोई ने चर्च के बारे में नोटिस दिया है, कल इस पर पूरी चर्च हुई है और गृह मंत्री जी ने उसका जवाब भी दिया था, मैंने उस विषय को यहां उठाने दिया था। यौंगी।

â€!(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : तो पहले आप सब अपनी-अपनी सीट पर जाइये। यह पढ़ाति नहीं है।

â€!(व्यवहान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे : हमारे प्राइम मिनिस्टर से वलेशीफिकेशन पूछा था। ... (व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : आपने जो नोटिस दिया है, उसकी बात न करके आप जो चाहे, उसे उठानेंगे तो ऐसा नहीं होता है। आप भी एक जिम्मेदार सदस्य हैं।

â€!(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : आप सब पहले अपनी-अपनी सीट पर जाइये।

â€!(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : आप सब पहले अपनी-अपनी सीट पर जाइये।

â€!(व्यवहान)

HON. SPEAKER: All of you please go to your seats.

...(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : अब आप बैठा मैं बोलेंगे तो मैं कैसे सुनूँगी।

â€!(व्यवहान)

HON. SPEAKER: Please go to your seats.

...(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : सबसे पहले आप सब अपनी-अपनी सीट पर जाइये।

â€!(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : आपके सदस्य रिफर्म, आपके सदस्य हैं, मैंने ऐसा बोला।

â€!(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : आप सब अपनी-अपनी सीट पर जाइये।

â€!(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : आप क्यों बोल रहे हैं? आप अपनी सीट पर जाइए।

â€!(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी सीट पर जाएंगे तो उनको बोलने का मौका निलेगा। ऐसे नहीं होता है।

â€!(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : आप सीट पर जाएंगे तो खड़गे जी बोलेंगे।

â€!(व्यवहान)

HON. SPEAKER: First, please go back to your seats. I am sorry.

...(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : आप लोग बैठिए।

â€!(व्यवहान)

HON. SPEAKER: I am sorry. First, you will have to go back to your seats. All of you have to go back to your seats. Please go back.

...(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : आप सब लोग अपनी सीट पर जाइए। मैं खड़गे जी की बात समझ तूँगी।

â€!(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : पहले सब लोग सीट पर जाइए तो मैं खड़गे जी की बात समझूँगी।

â€“(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : पहले सब लोग अपनी सीट पर जाइए, खड़गे जी वह कह रहे हैं, मैं समझ लूँगी।

â€“(व्यवहान)

HON. SPEAKER: First, please go back to your seats. I am sorry.

...(Interruptions)

श्री मलिलकार्जुन खड़गे : डाउस ऑर्डर में नहीं था। आपने वर्तमान ऑर्डर में मौका नहीं दिया।...(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : कोई नोटिस नहीं था।

श्री मलिलकार्जुन खड़गे : डाउस ऑर्डर में नहीं था।...(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : आप श्री अपने आर्डर से नहीं बोल रहे थे। आपने जो नोटिस दिया, उस पर नहीं बोल रहे थे।

â€“(व्यवहान)

HON. SPEAKER: I am sorry.

â€“(व्यवहान)

HON. SPEAKER: Please go back to your seats.

...(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : आपका माइक श्री ऑन नहीं है। Please go back to your seats.

...(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आपके लोग आपको बोलने नहीं देना चाहते हैं। मैं वह करूँ?

â€“(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : आपके अपने लोग आपको बोलने नहीं देना चाहते हैं।

â€“(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, उनको बोलिए कि आपकी मरम्मत करें। सब अपनी सीट पर जाएं। मैं आपको अलाऊ कर रही हूँ। आप अपनी सीट पर चले जाएं।

â€“(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : धर्मेन्द्र जी, मुझे मालूम है कि आपकी सीट कहां है। यह नेता जी की सीट है। आप अपनी सीट पर जाइए।

â€“(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : आप खड़गे जी की मरम्मत कीजिए। अपने नेता की मरम्मत कीजिए।

â€“(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : बाद में जो भी हो। पहले अपने नेता का सम्मान कीजिए।

â€“(व्यवहान)

12.07 hrs.

At this stage, Kumari Sushmita Dev, Shri P. Karunakaran and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

माननीय अध्यक्ष : कृपया आप सब शांत बैठ जाएं।

â€“(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : यहां से आवाज नहीं आएगी।

â€“(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : वहां क्या हुआ?

â€“(व्यवहान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, बोलिए, कोई आवाज़ नहीं करेगा। सब तुप बैठेंगे।

â€!(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, वर्ता आप बोलना चाहेंगे?

â€!(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी को बोलने दीजिए।

â€!(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप भी तो कल से एक महिला के पीछे पड़े हैं इसलिए महिलाएं नाराज़ हो रही हैं। परीज़ जाइए।

â€!(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इनको बोलने दीजिए। वर्ता हो रहा है? आप वर्तों नहीं जाते हैं?

â€!(व्यवधान)

12.08 hrs.

At this stage, Kumari Sushmita Dev, Shri P. Karunakaran and some other hon. Members went back to their seats.

â€!(व्यवधान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे : माननीय अध्यक्ष जी, आप भी दुखी हैं और हम भी दुखी हैं। ... (व्यवधान) ऐसे करके लीक नहीं कर रहे हैं। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कृपया तुप हो जाइए।

â€!(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यहां से आवाज आ रही है। यह अच्छी बात नहीं है।

â€!(व्यवधान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे : ये अपनी पूल्ड मेजोरिटी से छोड़ दबाना चाहते हैं। ... (व्यवधान) They are provoking. Since you have got majority, you want to suppress us? We have seen many such days....(Interruptions) इसलिए छोड़ दुखा होता है कि इन्टायर ओपोजीशन आपसे रिवर्सर कर रही थी कि प्रधानमंत्री से एक स्टेटमेंट दिलाइए। वर्तोंके उनके एक मंत्री महोदय ने एक ऐसा स्टेटमेंट दिया। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : परीज़ उनको बोलने दीजिए।

â€!(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I have allowed him.

... (Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : यह वर्ता हो रहा है?

â€!(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इसका मतलब है कि कोई भी बात न करना चाहते हैं, न सुनना चाहते हैं।

â€!(व्यवधान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे : अध्यक्ष महोदया, हम सिर्फ यही चाहते थे कि केवल इस सदन के लेता और नेता सबके हैं जब सदन में रहते हैं और देश के प्रधानमंत्री हैं और सभी के प्रधानमंत्री हैं। जब प्रधानमंत्री अपने मंत्रियों को कंट्रोल करने के लिए या उनको दिलायत देने के लिए उन्हीं का अधिकाया होता है, दूसरा कोई नहीं कर सकता। इसीलिए सारा सदन यह चाहता था कि ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ये अपोजीशन की बात कर रहे हैं, अपनी बात कर रहे हैं।

â€!(व्यवधान)

श्री महिलकार्जुन खड़गे : सारा देश यह चाहता है ... (व्यवधान) कि ऐसे वर्तव्य को कंडेम करने के लिए सारा देश अपेक्षा करता है। ... (व्यवधान) इसीलिए प्रधानमंत्री जी से हम चाहते थे। ... (व्यवधान) लैकिन इंटायर ओपोजीशन आपसे रिवर्सर करके उनके स्टेटमेंट के लिए प्रतीक्षा कर रहा था। ... (व्यवधान) हम यह चाहते थे कि कम से कम आप छोड़े रक्षण के लिए आएंगी। ... (व्यवधान) ऐसी घटना पहली बार नहीं हुई है। ... (व्यवधान) यहि सदन में 10 लोग आए तो छाइस एडजर्न हुआ, ... (व्यवधान) 20 लोग थे तो भी एडजर्न हुआ ... (व्यवधान) और आप भी उस सबकी आई-प्रिंटजेर थीं और हैं। ... (व्यवधान) इसके बावजूद, आज 80-90 लोग ठहरकर, सभी पार्टियों के लोग आपसे भी बिनती कर रहे थे, ... (व्यवधान) लैकिन मुझे यह लगा कि आज आपने भी मुझे परविशन नहीं दिया। ... (व्यवधान) शायद, मैं यह तो नहीं कह सकता ... (व्यवधान) कि उनके दबाव में आकर आपने दिया होगा। ... (व्यवधान) मैं यह तो नहीं कह सकता कि आप उनके दबाव में आकर दिये हैं। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आप भी थोड़ा शॉट में अपनी कहिए, किसी को उत्तेजित न करें।

â€!(व्यवधान)

माननीय अद्यक्ष : नहीं तो कोई भी रिकार्ड नहीं होगी।

...(व्यवहान) *

माननीय अद्यक्ष : यदि कोई गतत बात होगी, तो मैं देख लूँगी।

â€!(व्यवहान)

माननीय अद्यक्ष : आप देयर को बोलते ही वर्षों हैं? देयर ने आपको कुछ नहीं बोला, देयर को कोई नहीं बोलता।

â€!(व्यवहान)

श्री महिलकार्जुन स्वाडगे : मैंने यह बोला कि आपने ठबात में आकर ऐसा किया, ... (व्यवहान) ऐसा मैंने नहीं बोला। ... (व्यवहान) मैं तो यह स्पष्ट बोल रहा हूँ ... (व्यवहान) तोकिन यहाँ पर एक ऐसा वातावरण सृजित हुआ, ... (व्यवहान) हमें वया महसूस हो रहा है, डमारी इतनी कौशिश करने के बाद भी एक घटे तक यह चला रहा है, ... (व्यवहान) तोकिन आपने मुझे आशीर्वाद नहीं किया। ... (व्यवहान) मुझे आपनी बात कहने के लिए नहीं कहा। ... (व्यवहान) इससे मुझे बड़ा दुख हुआ। ... (व्यवहान) यह ठीक नहीं है, यदि ऐसा हुआ तो किस छंग से डेमोक्रेशी चलना चाहिए। ... (व्यवहान) आप तो जानते हैं, आप से पहले भी इस सदन में पेपरवेंट्स फैके जाते थे, पेपर फाड़ा जाता था। ... (व्यवहान)

माननीय अद्यक्ष : वह वर्ता नहीं करनी है।

â€!(व्यवहान)

श्री महिलकार्जुन स्वाडगे : डमगे शांतिपूर्ण छंग से आपके सामने आए, अपने सभी विवार रखें। ... (व्यवहान)

तोकिन इतने शांतिपूर्ण छंग से विवार रखने के बाबजूद भी डमगे गौका नहीं गिता। प्रधान मंत्री जी यहां आकर स्टेटमेंट वर्षों नहीं दे रखे हैं? वया वजह है? इसलिए मैं यह चाहता हूँ कि इस छंग से अबर सदन को बलाना चाहते हैं कि आपकी मेजांस्टी है, कुछ भी कर सकते हैं, अबर उनके ऐसे विवार हैं तो यह डेमोक्रेशी के लिए बड़ा खतरा है। ... (व्यवहान) मैंडम, आपको इसे कंट्रोल करना चाहिए। ... (व्यवहान) आप कर्स्टोडियन हैं, छेरक सदस्य की बात को उतनी ही सपोर्ट देनी चाहिए, जितनी उनकी बात को देती है। ... (व्यवहान)

माननीय अद्यक्ष : ठीक है, अब बैठिए।

â€!(व्यवहान)

श्री महिलकार्जुन स्वाडगे : इसलिए सरकार के ऐसे एटीट्यूड और बिल्डिंगर को डम कंडेंग करते हैं। ... (व्यवहान) उनकी यह आदत ठीक नहीं है। ... (व्यवहान) इस सदन में डमेशा प्रधान मंत्री आकर ऐसे स्टेटमेंट देते रहे हैं। ... (व्यवहान)

माननीय अद्यक्ष : ठीक है, बैठ जाइए।

â€!(व्यवहान)

श्री महिलकार्जुन स्वाडगे : मैं यहीं बोलना चाहता हूँ। इसलिए मैं रिप्लाई चाहता हूँ। ... (व्यवहान)

श्री सुरीप बन्दोपाध्याय (कोलकाता उत्तर) : मैंडम, मैं कुछ कहना चाहता हूँ। ... (व्यवहान)

माननीय अद्यक्ष : सुरीप जी, आपका कोई गोटिस नहीं है, मैं इसे एलाऊ नहीं करूँगी।

â€!(व्यवहान)

माननीय अद्यक्ष : नहीं, मैं सभी को एलाऊ नहीं करूँगी।

â€!(व्यवहान)

माननीय अद्यक्ष : प्लीज आप तोग बैठ जाइए।

â€!(व्यवहान)

माननीय अद्यक्ष : खड़गे जी ने देयर के लिए कुछ कहा है।

â€!(व्यवहान)

माननीय अद्यक्ष : आप बैठ जाइए, आपका कोई गोटिस नहीं है। प्लीज मेरी बात सुनिए। Now, I want to say something.

... (Interruptions)

HON. SPEAKER: I am sorry. Nothing will go on record.

(Interruptions) â€!*

माननीय अद्यक्ष : किसी की कोई गोटिस नहीं है, इसलिए आप तोग बैठ जाइए।

â€!(व्यवहान)

माननीय अद्यक्ष : आप तोग बैठिए, पहले मेरी बात सुनिए। देयर के बारे में कुछ कहा गया है। You will have to sit and hear me.

... (Interruptions)

HON. SPEAKER: I am sorry.

... (Interruptions)

मानवीय अद्यक्ष : आप शांति से बैठिए, पर्वीज बैठ जाइए।

करुणाकरण जी, आप बैठ जाइए। जब पूर्ण पूछने के लिए आपका नाम लिया, तब आप नहीं बोलें। अब आप बैठ जाइए।

â€“(व्यवधान)